www. seemasandesh.com, e-mail : sim
simasandes

सीमा सन्देश

संस्थापक स्व. श्री कमल नयन शर्मा

जयपुर व श्रीगंगानगर से एक साथ प्रकाशित

● एन.सी.सी. 'सी' सर्टिफिकेट परीक्षा सम्पन्न
● कर्मचारियों ने दिया मुख्यमंत्री को ज्ञापन ➨ 6

कॅरियर सन्देश
● बोर्ड परीक्षा को न बनाएं हौवा
● तालिबानी खुश हैं हमारी सरकार से ➨ 4

● पदक विजेता राजस्थान के खिलाड़ियों को निःशुल्क बस यात्रा सुविधाः बृजकिशोर
● धर्म रक्षा मंच गठित ➨ 8

जयपुर, शुक्रवार, 20 फरवरी, 2009
फाल्गुन मास कृष्ण पक्ष, एका

देश में एक करोड़ 40 लाख बच्चों में दिमागी कमजोरी का खतरा

जयपुर, 19 फरवरी। आयोडीन अल्पता विशेषज्ञों का दो वसीय विश्व सम्मेलन गुरुवार को शुरू हुआ। सम्मेलन का योजन आयोडीन नेटवर्क की ओर से किया गया है तथा इसमें निसेफ, डब्ल्यू.एच.ओ., विश्व खाद्य कार्यक्रम, एम.आई., , आईसीसीआईडीडी और नमक संस्थान के प्रतिनिधि हिस्सा रहे हैं। सम्मेलन के उद्घाटन समारोह के बाद आयोडीन वर्क के प्रमुख डॉ. निकोलस अलिपुई ने बताया कि विश्व में करोड़ 80 लाख बच्चे आयोडीन की कमी के कारण नसिक रोग के शिकार होने की आशंका के साथ जन्म लेने इनमें से एक करोड़ 40 लाख बच्चें भारत में पैदा होते है। होंने कहा कि आयोडीनयुक्त नमक के सेवन से इस खतरे को ना जा सकता है। उन्होंने कहा कि भारत में अभी भी 35 शत परिवार आयोडीनयुक्त नमक का सेवन नहीं करते है। अलिपुई ने कहा कि आयोडीन के प्रति जागरूकता का प्रसार तथा आयोडीनयुक्त नमक की हर व्यक्ति तक पहुंच सुनिश्चित करना भारत के सामने सबसे बड़ी चुनौती है। सम्मेलन को सम्बोधित करते हुए नमक आयुक्त कार्यालय के उपायुक्त एम.अंसारी ने बताया कि भारत नमक उत्पादन के क्षेत्र में विश्व में चौथे स्थान पर है।
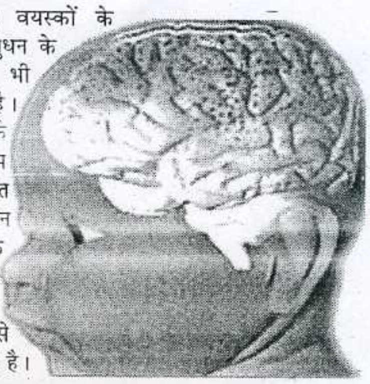
देश के नमक उत्पादन का पांच फीसदी हिस्सा राजस्थान से उत्पन्न होता है। उन्होंने कहा कि 20 से 30 प्रतिशत लोग अभी भी आयोडीनरहित नमक का सेवन करते है। उन्होंने उत्पादन के समय ही नमक में आयोडीन मिलाने की आवश्यकता पर जोर दिया। अन्तर्राष्ट्रीय आयोडीन अल्पता नियंत्रण परिषद के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. सी.पाण्डव ने पत्रकार सम्मेलन में बताया कि आयोडीन की कमी गर्भ में पल रहे शिशु से लेकर बच्चों, किशोरों तथा वयस्कों के साथ-साथ पशुधन के लिए भी हानिकारक है। प्रतिदिन सिर्फ 150 माईक्रोग्राम आयोडीनयुक्त नमक के सेवन से अनेक मानसिक और शारीरिक बीमारियों से बचा जा सकता है।